Raj Express (Indore), 3rd October 2020, Page-2

संस्कृत को समझाने अनूठा आयोजन

गांधी-शास्त्री जयंती पर कार्यक्रम

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर शुक्रवार को आईआईटी इंदौर में गतिविधियां हुई। शास्त्रीय वैज्ञानिक ग्रंथों को उनके मूल रुप में अध्यन करने और संस्कृत में उनके बारे में समझाने का अनोखा कार्यक्रम हुआ। 22 अगस्त से 2 अक्टूबर तक निर्धारित कर दो भागों में इसे बांटा गया था। पहले भाग का मुख्य लक्ष्य प्रतिभागियों को कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने में सक्षम बनाना था, जिन्हें संस्कृत का पूर्व ज्ञान नहीं था। पाठ्यक्रम के दूसरे भाग का उद्देश्य प्रतिभागियों को संस्कृत में तकनीकी विषयों पर चर्चा करने में सक्षम बनाना था। इस भाग में क्लासिकल गणितीय पाठ भास्कराचार्य के लीलावती के क्षेत्र में जाने-माने विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान शामिल थे।

प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक आईआईएम इंदौर, बी.एन.श्रीकृष्ण, कर्नल बी. वेंकट, निदेशक एफडीसी, एआईसीटीई इस कार्यक्रम में शामिल हुए। पाठ्यक्रम की परिणति ऑनलाइन मोड के माध्यम से हुई। प्रोफेसर दीपक बी. फाटक, अध्यक्ष, बीओजी, आईआईटी इंदौर ने कहा इस तरह के पाठ्यक्रमों में वैज्ञानिक और तकनीकी साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। हमें निरंतर अभ्यास करना चाहिए और नई भाषाओं को सीखने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। यह पाठ्यक्रम बड़ी चीजों को सीखने के लिए आधार होगा और उपलब्ध सुंदर साहित्य का अध्ययन करने के लिए बड़ी आबादी को उत्साहित करेगा।

हिंदी में आधिकारिक काम करने वालों का हुआ सम्मान

प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, प्रभारी निदेशक आईआईटी इंदौर ने कहा जिस तरह से हमने यह कोर्स का आयोजन किया है हम आगे भी कई पाठ्यक्रमों की श्रंखला रखेंगे। कोर्स की एक श्रंखला होगी, जिस तरह से ओर आईआईटी इंदौर प्राचीन भारतीय भाषाओं के केंद्र के रुप में आगे काम करेगा। हम संस्कृत में तकनीकी क्षेत्र में काम करना जारी रखेंगे। हम अपनी उम्मीदों को पूरा करने में सफल रहे हैं और प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही। प्रोफेसर जैन ने महात्मा गांधी जयंती के अवसर को चिंहित करने के लिए परिसर में एक स्मारक पौधारोपण किया और वर्तमान संदर्भ में गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन और शिक्षाओं की प्रासंगिकता पर संबोधित किया। इस दौरान दो नई इमारतों का उद्घाटन किया गया। ऐसे कर्मचारी जिन्होंने हिंदी में अपना आधिकारिक काम अच्छी तरह से किया था उन्हें भी सम्मानित किया गया। वेबिनार में प्रो. सुमति रामास्वामी, जेम्स बी ड्यूक प्रोफेसर ऑफ हिस्ट्री, ड्यूक यूनिवर्सिटी, यूएस स्पीकर में से एक थे। उन्होंने आधुनिक भारत में बच्चे की कला में गांधी पर अपनी बात रखी। प्रो. लक्ष्मी सुब्रमण्यम, इतिहास में प्रोफेसर, सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशयल साइंसेज, कोलकाता दूसरे वक्ता थे उन्होंने सिंगिंग गांधीज इंडिया: अनकवरिंग गांधी एंड म्यूजिक इन इंडिया पर बात की।